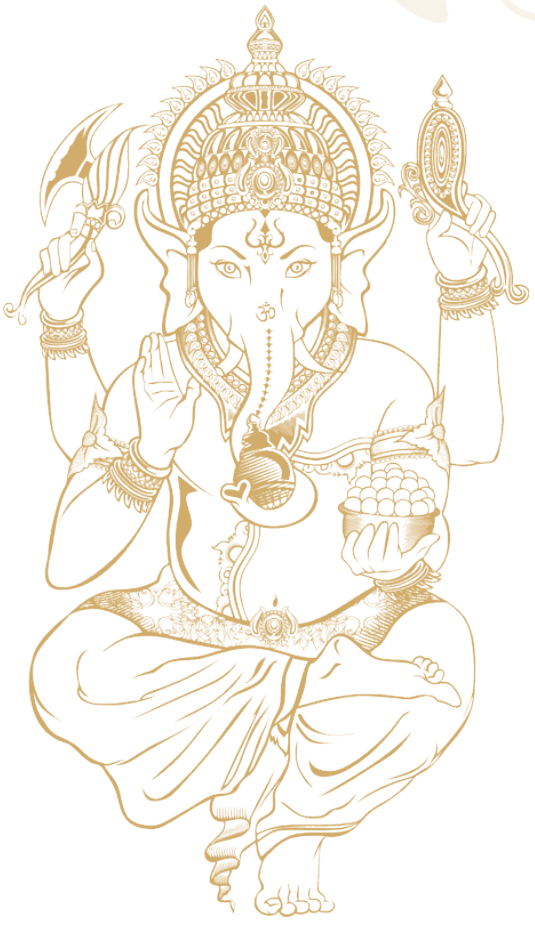

Mr. Gaurav ji panwar

Ms. Apeksha ji

Model: Horoscope-Matching **Order No: 120432701**

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120432701 Date: 05/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/10/1995	जन्म तिथि	27/10/1999
बुध-गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 02:00:00	जन्म समय	10:45:00 घंटे
घटी 48:45:51	जन्म समय(घटी)	10:08:58 घटी
India	देश	India
Pali Marwar	स्थान	Sojat Road
25:46:00 उत्तर	अक्षांश	25:48:00 उत्तर
73:26:00 पूर्व	रेखांश	73:49:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:36:16	स्थानिक संस्कार	-00:34:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:29:39	सूर्योदय	06:39:54
18:19:18	सूर्यास्त	17:57:16
23:48:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:01

कर्क	लग्न	धनु
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मकर	राशि	वृष
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
धनिष्ठा	नक्षत्र	रोहिणी
मंगल	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
2	चरण	1
शूल	योग	वरियान
बव	करण	विष्टि
गी-गीत	जन्म नामाक्षर	ओ-ओमवती
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
सिंह	योनि	सर्प
राक्षस	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	गरूड़

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 7मा 5दि		16:34:20	कर्क	लग्न	धनु	02:08:27	चन्द्र 8वर्ष 4मा 7दि	
गुरु		17:20:28	कन्या	सूर्य	तुला	09:29:11	राहु	
10/05/2017		29:48:48	मक	चंद्र	वृष	12:11:43	05/03/2015	
10/05/2033		24:53:53	तुला	मंगल	धनु	13:32:42	04/03/2033	
गुरु	28/06/2019	17:46:01	कन्या व	बुध	वृश्चि	03:27:11	राहु	15/11/2017
शनि	09/01/2022	17:15:55	वृश्चि	गुरु व	मेष	05:36:42	गुरु	10/04/2020
बुध	16/04/2024	29:23:34	कन्या	शुक्र	सिंह	23:02:43	शनि	15/02/2023
केतु	23/03/2025	26:02:07	कुंभ व	शनि व	मेष	20:40:43	बुध	03/09/2025
शुक्र	22/11/2027	02:45:51	तुला व	राहु व	कर्क	14:56:49	केतु	21/09/2026
सूर्य	09/09/2028	02:45:51	मेष व	केतु व	मक	14:56:49	शुक्र	21/09/2029
चन्द्र	09/01/2030	02:43:38	मक व	हर्ष	मक	19:01:08	सूर्य	16/08/2030
मंगल	16/12/2030	28:58:28	धनु व	नेप	मक	07:47:08	चन्द्र	15/02/2032
राहु	10/05/2033	04:54:10	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	15:07:52	मंगल	04/03/2033

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:00 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:01

लग्न-चलित

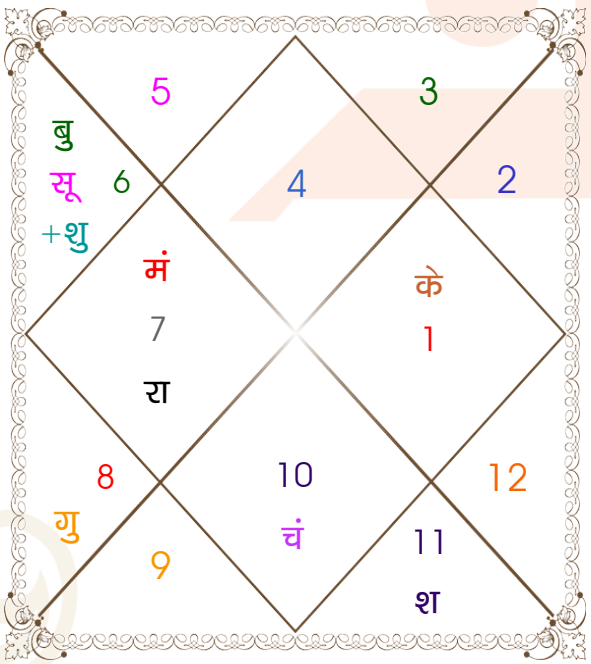

लग्न-चलित

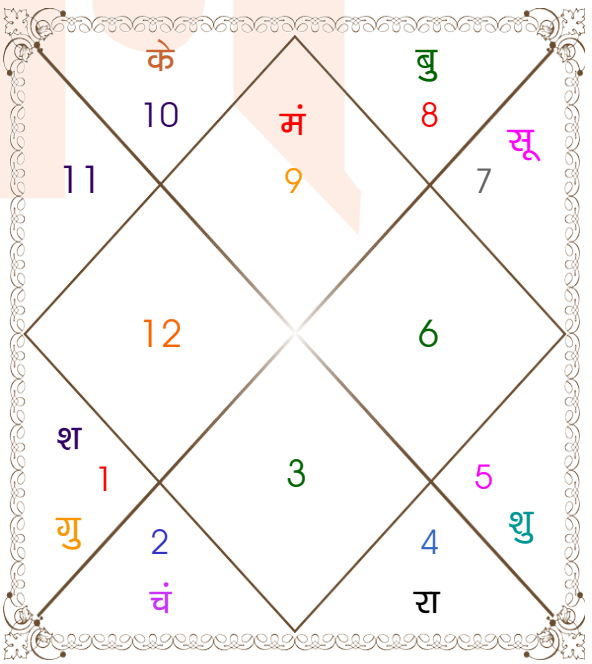

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

कुल : **20 / 36**

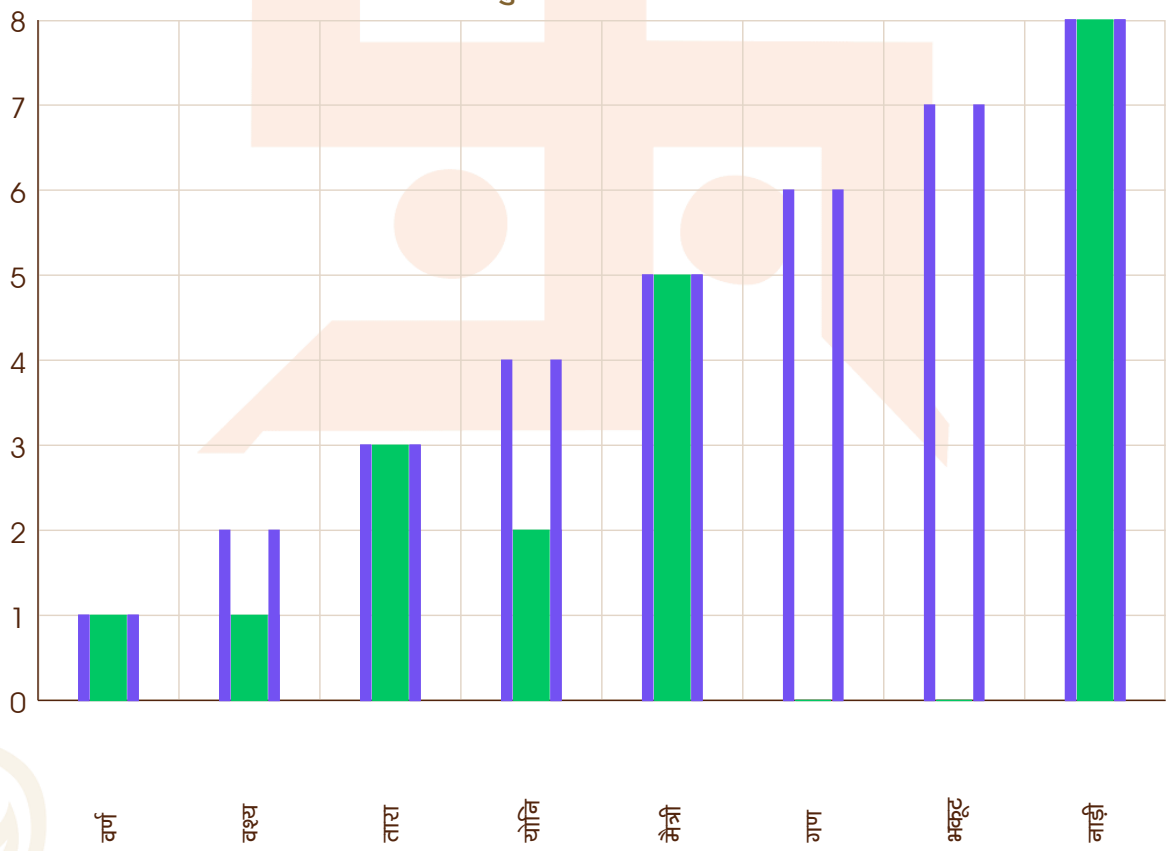

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण ळंनतंअ रप चंदूंत का वर्ग मार्जार है तथा Ms. Apeksha ji का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ळंनतंअ रप चंदूंत और Ms. Apeksha ji का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ळंनतंअ रप चंदूंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डतण ळंनतंअ रप चंदूंत कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. Apeksha ji मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

डतण ळंनतंअ रप चंदूंत तथा Ms. Apeksha ji में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण ळंनतंअ रप चंदूंत का वर्ण वैश्य है तथा Ms. Apeksha ji का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण डतण ळंनतंअ रप चंदूंत और Ms. Apeksha ji दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। डतण ळंनतंअ रप चंदूंत और Ms. Apeksha ji दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

डतण ळंनतंअ रप चंदूंत का वश्य जलचर है एवं Ms. Apeksha ji का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

डतण ळंनतंअ रप चंदूंत की तारा सम्पत तथा Ms. Apeksha ji की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से डतण ळंनतंअ रप चंदूंत एवं Ms. Apeksha ji दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Ms. Apeksha ji एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

डतण ळंनतंअ रप चंदूंत की योनि सिंह है तथा Ms. Apeksha ji की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि

दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण ळंनतंअ रप चंदूंत एवं Ms. Apeksha ji दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि डतण ळंनतंअ रप चंदूंत एवं Ms. Apeksha ji के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण डतण ळंनतंअ रप चंदूंत एवं Ms. Apeksha ji जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

डतण ळंनतंअ रप चंदूंत का गण राक्षस है तथा Ms. Apeksha ji का गण मनुष्य है। अर्थात Ms. Apeksha ji का गण डतण ळंनतंअ रप चंदूंत के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

डतण ळंनतंअ रप चंदूंत से Ms. Apeksha ji की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा Ms. Apeksha ji से डतण ळंनतंअ रप चंदूंत की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण डेण ।चर्मों

रप को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

डतण ळंनतंअ रप चंदूंत की नाड़ी मध्य है तथा Ms. Apeksha ji की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण डतण ळंनतंअ रप चंदूंत एवं Ms. Apeksha ji के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतप ळंनतंअ रप चंदूंत की राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर तथा Ms. Apeksha ji की राशि भी पृथ्वीतत्व युक्त वृष है। अतः समान तत्व होने के कारण डतप ळंनतंअ रप चंदूंत और Ms. Apeksha ji के मध्य संबंधों में मधुरता रहेगी तथा उनका वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान शुभ रहेगा।

डतप ळंनतंअ रप चंदूंत की राशि का स्वामी शनि तथा Ms. Apeksha ji की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर मित्र है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग तथा समर्पण का भाव विद्यमान होगा तथा सुख दुख में भी एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। डतप ळंनतंअ रप चंदूंत और Ms. Apeksha ji एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे । इससे आपसी संबंधों में सुदृढ़ता के भाव की वृद्धि होगी तथा वैवाहिक जीवन भी सुख शान्ति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा ।

डतप ळंनतंअ रप चंदूंत और Ms. Apeksha ji की राशियां परस्पर पंचम तथा नवम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह की अपेक्षा विरोध तथा वैमनस्य रहेगा। साथ ही अंहकार के कारण एक दूसरे से अपने को श्रेष्ठ समझते हुए उपेक्षा करेंगे। इस प्रवृति से संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा तथा अन्यत्र वैवाहिक जीवन में कष्ट तथा समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। अतः यदि डतप ळंनतंअ रप चंदूंत और Ms. Apeksha ji बुद्धिमता एवं सामंजस्य की प्रवृति का पालन करें तो अशुभ प्रभावों में कमी आ सकती है।

डतप ळंनतंअ रप चंदूंत का वश्य जलचर तथा Ms. Apeksha ji का वश्य चतुष्पद है। जलचर तथा चतुष्पद में नैसर्गिक मित्रता के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे फलतः जीवन में सुखद क्षणों की प्राप्ति होती रहेगी।

डतप ळंनतंअ रप चंदूंत एवं Ms. Apeksha ji का वर्ण वैश्य है। अतः इसके प्रभाव से दोनों की रूचि धनार्जन संबधी कार्यो में रहेगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगे। साथ ही कार्य क्षमताएं समान होने के कारण स्थिति शुभ एवं अनुकूल रहेगी।

धन

डतप ळंनतंअ रप चंदूंत की तारा सम्पत तथा Ms. Apeksha ji की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से डतप ळंनतंअ रप चंदूंत सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Ms. Apeksha ji के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल

का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

डतण ळंनतंअ रप चंदूंत और Ms. Apeksha ji को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Ms. Apeksha ji का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

डतण ळंनतंअ रप चंदूंत की नाड़ी मध्य तथा Ms. Apeksha ji की नाड़ी अन्त्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण नाड़ी दोष के प्रभाव से मुक्त रहेंगे अतः गंभीर शारीरिक कष्ट से सुरक्षित रहेंगे लेकिन मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव नहीं रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही संभोग क्रिया में भी दोनों शिथिलता तथा उदासीनता प्रदर्शन का करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में अल्पता की अनुभूति होगी। इसके अतिरिक्त Ms. Apeksha ji के गर्भपात की भी संभावना रहेगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता करने के लिए डतण ळंनतंअ रप चंदूंत और Ms. Apeksha ji दोनों को हनुमान की उपासना, मंगलवार के उपवास तथा मूंगा आदि धारण करना चाहिए। इससे अशुभ प्रभावों में न्यूनता तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण ळंनतंअ रप चंदूंत और Ms. Apeksha ji का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण ळंनतंअ रप चंदूंत और Ms. Apeksha ji के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. Apeksha ji के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. Apeksha ji को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. Apeksha ji को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण ळंनतंअ रप चंदूंत और Ms. Apeksha ji सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण ळंनतंअ रप चंदूंत और Ms. Apeksha ji का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. Apeksha ji तथा उसकी सास के परस्पर संबध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Ms. Apeksha ji धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृति का अनुसरण करें तो सास से संबधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Ms. Apeksha ji के संबध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Ms. Apeksha ji का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

डतण ळंनतंअ रप चंदूंत की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर डतण ळंनतंअ रप चंदूंत सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन डतण ळंनतंअ रप चंदूंत ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का डतण ळंनतंअ रप चंदूंत के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।